डार्कनेट, गुमनामी और निजता — प्रमुख तथ्य

शासन, कानून और तकनीक (प्रारंभिक परीक्षा: सामान्य अध्ययन) | समाचार संदर्भ: 26 जून 2026 | प्रकाशित: 24 अक्टूबर 2026

खबरों में क्यों

जून 2026 में भारत और म्यांमार के बीच मादक पदार्थ नियंत्रण पर हुई बैठक की रिपोर्टों में डार्कनेट से होने वाली तस्करी प्रमुख चिंता के रूप में उभरी। दोनों पक्षों के बीच सूचना के आदान-प्रदान, संयुक्त कार्रवाई, प्रीकर्सर रसायनों पर नियंत्रण और डिजिटल जांच को मजबूत करने जैसी जरूरतें चर्चा में रहीं।

इससे कुछ दिन बाद, 26 जून को राष्ट्रीय नार्को-समन्वय (NCORD) बैठक की आधिकारिक जानकारी में भी डार्कनेट नेटवर्क, क्रिप्टोकरेंसी से भुगतान और पार्सल के जरिए सप्लाई जैसी नई चुनौतियां गिनाई गईं। इन संकेतों से एक बात साफ है: ऑनलाइन और भौतिक तस्करी अलग-अलग दुनिया नहीं हैं। सौदा इंटरनेट पर तय हो सकता है, पर वस्तु को खरीदार तक पहुंचाने और पैसे को इस्तेमाल में लाने के लिए जमीनी नेटवर्क भी जुड़ते हैं।

पहले समझें: डार्कनेट क्या है?

डार्कनेट इंटरनेट के ऊपर चलने वाला ऐसा विशेष नेटवर्क है, जिसमें घुसने के लिए खास सॉफ्टवेयर, खास व्यवस्था या अनुमति चाहिए। इसके भीतर चलने वाली वेब सेवाओं को 'डार्क वेब' भी कहा जाता है। रोजमर्रा की बोलचाल में दोनों शब्द एक-दूसरे के स्थान पर चले जाते हैं, पर तकनीकी रूप से नेटवर्क और उसके अंदर की सामग्री अलग बातें हैं, और यह अंतर जानना उपयोगी है।

इंटरनेट के तीन संदर्भ:

शब्द	सरल अर्थ	क्या हर उपयोग अपराध है?
सरफेस या क्लियर वेब	वह सार्वजनिक सामग्री जो सामान्य खोज इंजन में मिल जाती है	नहीं; हालांकि खुली वेबसाइटों पर भी अपराध संभव है
डीप वेब	वह सामग्री जो खोज इंजन की सूची में नहीं आती, जैसे पासवर्ड से सुरक्षित निजी खातों का डेटा	नहीं; ईमेल और नेट बैंकिंग के निजी भाग इसके रोजाना के उदाहरण हैं
डार्क वेब	विशेष नेटवर्क के अंदर की सेवाएं, जहां पहचान या स्थान छिपाने की तकनीक मौजूद हो सकती है	नहीं; निजता के वैध उपयोग और आपराधिक दुरुपयोग दोनों होते हैं

इसलिए यह समझना जरूरी है कि 'खोज में न दिखना' और 'अवैध होना' समानार्थी नहीं हैं। और न ही पूरे डीप वेब को डार्क वेब कहना ठीक है।

मुख्य तथ्य

- **इंटरनेट के तीन संदर्भ:** सरफेस वेब (खुली, खोज-योग्य), डीप वेब (खोज-इंडेक्स से बाहर, जैसे ईमेल/बैंक खाते), डार्कनेट (विशेष सॉफ्टवेयर से पहुँचा जाने वाला एन्क्रिप्टेड हिस्सा)।
- **गुमनामी की तकनीक:** टॉर (Tor) जैसे नेटवर्क कई परतों वाले एन्क्रिप्शन और रिले से उपयोगकर्ता की पहचान छिपाते हैं।
- **वैध उपयोग:** पत्रकार, स्रोत-संरक्षण, सेंसरशिप से बचाव और निजी संचार — गुमनामी अपने आप अपराध नहीं।
- **दुरुपयोग:** नशीले पदार्थ, हथियार, चोरी के डेटा की तस्करी में डिजिटल बाजार और भौतिक सप्लाई-चेन का मेल।
- **जांच की चुनौती:** पहचान छिपना, क्रिप्टो-भुगतान और अंतरराष्ट्रीय क्षेत्राधिकार — तकनीकी और कानूनी दोनों सीमाएँ।
- **आंकड़ों की सावधानी:** डार्कनेट के आकार/अपराध के अनुमान कई तरीकों पर निर्भर; एकल आंकड़े को पूर्ण तस्वीर न मानें।

परीक्षा की दृष्टि से

प्रारंभिक परीक्षा के लिए याद रखने योग्य: डार्कनेट की परिभाषा, सरफेस-डीप-डार्क वेब का अंतर और यह कि खोज में न दिखना अवैध होना नहीं है। गुमनामी की तकनीकी व्यवस्था (Tor, Onion Services) और तस्करी-जांच का विश्लेषण मुख्य परीक्षा लेख में (लिंक

नीचे स्रोत में)।

प्रारंभिक परीक्षा अभ्यास:

प्रश्न 1. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. सामान्य खोज इंजन में सूचीबद्ध न होने वाला निजी ऑनलाइन बैंकिंग डेटा डीप वेब का उदाहरण हो सकता है।
2. डार्कनेट का हर उपयोग अपने-आप आपराधिक गतिविधि सिद्ध करता है।
3. ऑनलाइन अवैध वस्तुओं की आपूर्ति में डिजिटल भुगतान और भौतिक वितरण, दोनों की भूमिका हो सकती है।

उपर्युक्त में से कौन-से कथन सही हैं?

(a) केवल 1 और 2

(b) केवल 1 और 3

(c) केवल 2 और 3

(d) 1, 2 और 3

उत्तर और कारण देखें

उत्तर: (b)।

डीप वेब के अनेक वैध उपयोग हैं। गुमनामी की तकनीक का उपयोग अपने-आप अपराध का प्रमाण नहीं। अवैध वस्तु के ऑनलाइन सौदे के बाद भौतिक आपूर्ति की जरूरत भी हो सकती है।

स्रोत और सीमाएँ

- जून 2026: भारत-म्यांमार वार्ता और डार्कनेट की चुनौती
- 26 जून 2026: NCORD बैठक की आधिकारिक जानकारी
- संयुक्त राष्ट्र: डार्क वेब, सोशल मीडिया और मादक पदार्थ आपूर्ति
- Tor: गुमनामी की तकनीकी सीमाएं
- Onion Services के तकनीकी गुण
- यूरोपोल: वैध उपयोग, अपराध और जांच का समन्वय
- **सीमाएँ:** डार्कनेट-सक्रियता के विभिन्न आँकड़ों में स्रोतों का अंतर है; असंगत संख्याएँ दी नहीं गईं और पुरानी रिपोर्टों को 2026 भारत-स्तर का प्रमाण नहीं माना गया। इंटरनेट-हिस्सेदारी के प्रतिशत या कुल मामलों का दावा नहीं। क्रिप्टोकरेंसी के सभी उपयोग अवैध या पूर्ण गुमनाम नहीं माने गए। बाजार तक पहुंचने, खरीदने या जांच से बचने के कोई निर्देश नहीं दिए गए। जून 3 की खबर द्विपक्षीय बैठक की रिपोर्ट के रूप में है, बैठक के विस्तृत विवरण के रूप में नहीं।

इसी विषय का मुख्य परीक्षा (विश्लेषण) लेख: डार्कनेट: गुमनामी, अपराध और निजता का संतुलन